UA-133-R

B. A. (Part - III) Examination, 2023

हिन्दी साहित्य

Paper - II

नाटक और निबंध

Time Allowed : **Three Hours**

Maximum Marks : **100**

Note : *This question paper contains* ***three*** *sections as under :*

Section-A खण्ड–अ ***Max. Marks-10***

This section contains ***one compulsory*** *question with 10 parts. Answer of each part should not exceed 20 words. All questions carry* ***equal*** *marks.*

इस खण्ड में ***एक अनिवार्य*** *प्रश्न है जिसमें 10 भाग हैं। प्रत्येक भाग का उत्तर 20 शब्दों से अधिक न हों। सभी प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

Section-B खण्ड–ब ***Max. Marks-50***

This section contains ***10*** *questions or explanation. Attempt 5 quetsions or explanations in all, selecting one question or explanation from each unit. Answer of each question or explanation should not exceed 250 words. All questions or explanation carry* ***equal*** *marks.*

इस खण्ड में 10 प्रश्न अथवा व्याख्या है। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अथवा व्याख्या का चयन करते हुये कुल 05 प्रश्नों अथवा व्याख्याओं के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों अथवा व्याख्याओं के अंक ***समान*** *हैं।*

Section-C खण्ड–स ***Max. Marks-40***

This section contains ***04*** *questions (questions may have sub division). This section will cover all units but not more than one question from each unit. Attempt* ***2*** *questions in all. Answer of each question should not exceed 500 words. All questions carry* ***equal*** *marks.*

इस खण्ड में 04 प्रश्न हैं, प्रश्न के भाग हो सकते है। इस खण्ड में एक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न होगा। कुल दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों से अधिक न हों। सभी प्रश्नों के अंक ***समान*** *हैं।*

SECTION - A

खण्ड – अ

1 सभी प्रश्न अनिवार्य हैं :

(i) मोहन राकेश के प्रसिद्ध नाटकों के नाम लिखिए।

(ii) 'हानूश' नाटक के रचनाकार हैं?

(iii) भट्ट जी ने साहित्य को जनसमूह के चित्त का चित्रपट क्यों कहा है?

(iv) 'धर्म और समाज' निबंध का क्या उद्देश्य है?

(v) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल किस युग का प्रतिनिधित्व करते हैं?

(vi) देवदारु देवताओं को कैसा लगता है?

(vii) हमारी संस्कृति में पूजा की थाली किन वस्तुओं से सजायी जाती है?

(viii) महादेवी वर्मा ने किस निबंध में कवीन्द्र रवीन्द्र के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त की है?

(ix) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने हिन्दी का प्रथम नाटक किसे माना।

(x) शुक्लोत्तर युग के हास्य–व्यंग्य निबंध लेखकों में किसका विशेष योगदान माना जाता है?

खण्ड – ब

इकाई - I

सन्दर्भ एवं सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

2 माँ, आज के वे क्षण मैं कभी नहीं भूल सकती। सौन्दर्य का ऐसा साक्षात्कार मैंने कभी नहीं किया। जैसे वह सौन्दर्य अस्पृश्य होते हुए भी माँसल हो। मैं उसे छू सकती थी, देख सकती थी, पी सकती थी। तभी मुझे अनुभव हुआ कि वह क्या है जो भावना को कविता का रूप देता है। मैं जीवन में पहली बार समझ पायी कि क्यों कोई पर्वत शिखरों को सहलाती मेघ–मालाओं में खो जाता है, क्यों किसी को अपने तन–मन की अपेक्षा आकाश में बनते–मिटते चिजों का इतना मोह रहता है। ... क्या बात है माँ? इस तरह चुप क्यों हो?

10

अथवा

3 "पहली बार जब मैंने उसका प्रवचन सुना तो रात भर मैं सो नहीं पाया। तभी मुझे लगा जैसे अंधेरे में प्रकाश की किरण फूटी है। मन में कहा, कबीरदास तुम अनपढ़ हो तो क्या, तुमने बात तो समझ ली। जीवन का महामंत्र तो पा लिया। मनुष्य से प्रेम करना ही सच्ची आराधना है।"

10

इकाई - II

सन्दर्भ एवं सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

4 "इन्हीं प्राकृतिक पदार्थों का अनुशीलन करते करते इन आर्यों को ईश्वर के विषय में जो-जो भाव उदय हुए वे ही सब एक नए प्रकार का साहित्य उपनिषद् के नाम से कहलाए। जब इन आर्यों का समाज बढ़ा और लोगों की रीति-नीति और बर्ताव में विभिन्नता होती गई तब सबों को एकता के सूत्र में बद्ध रखने के लिए और अपने-अपने गुण कर्म से लोग चल-विचल हो सामाजिक नियमों को जिसमें किसी प्रकार की हानि न पहुँचायें इसलिए स्मृतियों के साहित्य का जन्म हुआ।"

10

अथवा

5 एकाग्रीभाव छन्द की आत्मा है, अगर यह न होता तो शिव का ताण्डव बेमेल धमा चौकडी और लस्टम-पस्टम उछल-कूद के सिवा और कुछ न होता ताण्डव की महिमा आनन्दोन्मुखी एकाग्रता में है, समाधि भी एकाग्रता चाहती है। ध्यान, धारणा और समाधि की एकाग्रता से ही 'योग' सिद्ध होता है। बाह्य प्रकृति के दुर्वार आकर्षण को छिन्न करने का उल्लास ताण्डव है। अंतः प्रकृति के असंयत फिंकाव को नियंत्रित करने के उल्लास का नाम समाधि है।

10

इकाई - III

6 वैसे तो विष्णु महादेवता है। वह सृष्टि, स्थिति, प्रलय तीनों में सक्रिय है। वही वसन्त में है। और वही पतझर में भी है। परन्तु हमारे धर्म और हमारी संस्कृति में वह मूल्य नहीं, जीवन को देवता माना गया है। वह मूलतः जीवन-देवता है। वह भाव और महाभाव का देवता है। यह महाभाव लौकिक रस के स्थायी भाव से ऊपर की बात है। बसन्त की भावभूमि भी पूर्वराग, राग, अनुराग और महाराग की वैष्णव भाव-भूमियों द्वारा रची गयी है।

10

अथवा

7 हल्दी-दूब इस देश की संस्कृति को रूप और सौन्दर्य-स्पर्श देते रहे हैं, कमल गन्ध देता रहा है, पर दधि-अच्छत, रस तथा शब्द देते रहे हैं। जिस प्रकार शब्द से आकाश भर जाता है, उसी प्रकार अक्षत से अर्चन की थाली भर जाती है। जिस देश के बाहर-भीतर सभी आकाशों में युगों से अक्षत ब्रह्म का नाद अपूरित होता रहता हो, उस देश की जनकल्याणी अन्तरात्मा को आसन देने के लिए इसी अक्षत से बढ़कर कोई सामग्री उपयुक्त नहीं समझी गयी और वह अक्षत संस्कृत व्याकरण की महिमा से बराबर बहुवचन में केवल इसलिए प्रयुक्त रहा कि बहुजन-हिताय का बोध उससे होता रहे।

10

इकाई - IV

8 नाटक की परिभाषा देते हुए हिन्दी नाटक में मोहन राकेश के योगदान पर प्रकाश डालिए। **10**

अथवा

9 हिन्दी निबंध की विविध शैलियों के नाम बताते हुए उनकी विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए। **10**

इकाई - V

10 हिन्दी निबंध के अन्तर्गत शुक्ल युग पर प्रकाश डालिए।

अथवा

11 नाटक और एकांकी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – स

12 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का नायक कौन है? उसकी चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। **20**

13 'साहित्य जन–समूह के हृदय का विकास है' निबंध में व्यक्त विचारों की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। **20**

14 'भारतीय संस्कृति और राष्ट्र' शीर्षक निबन्ध में व्यक्त विचारों को स्पष्ट कीजिए। **20**

15 हिन्दी नाटक के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। **20**

https://www.uokonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से